भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या : **4232**

दिनांक 18 जुलाई , 2019 / 27 आषाढ़, 1941 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

तंजावूर विमानपत्तन

4232. श्री दयानिधि मारन:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एटीआर विमान के साथ घरेलू उड़ानों के प्रचालन हेतु उड़ान के चरण-।। के अंतर्गत तंजावूर विमानपत्तन परियोजना की पहचान किए जाने के बावजूद भी इसके कार्य को आगे नहीं बढ़ाया गया है और यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ग) इस विमानपत्तन से प्रचालन कब तक प्रारंभ हो जाएगा?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) और (ख): तंजावुर हवाईअड्डा भारतीय वायु सेना (आईएएफ) एवं भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) से संबन्धित है, जिसने सिविल एंक्लेव के विकास के लिए भारतीय वायु सेना से 57.7 एकड़ की भूमि अपेक्षा प्रक्षेपित की है। तंजावुर हवाईअड्डा परियोजना टेंडर एएआई द्वारा बुलाया गया था। तथापि, इसे आईएएफ से काम करने की अनुमति की गैर-उपलब्धता की वजह से निरस्त कर दिया गया था।

(ग): हवाईअड्डा परियोजना का पूरा होना हवाईअड्डा विकासकर्ता द्वारा भूमि कीी उपलब्धता, अनिवार्य क्लियरेंसेस की उपलब्धता, वित्तीय पूर्णता आदि पर निर्भर करता है जो जटिल एवं समय लगने वाली प्रक्रिया है। तथापि, हवाईअड्डे को परिचालित करने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है।

*****